

8. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पदों की सूत्रोल्लेखपूर्वक सिद्धि कीजिए :

- (i) किरः
- (ii) शिष्यः
- (iii) दाक्षायणः
- (iv) रैवतिकः

9. निम्नलिखित धातुरूपों में से किन्हीं दो धातुरूपों की ससूत्र सिद्धि कीजिए :

- (i) भवामि
- (ii) अभवताम्
- (iii) भवेयुः
- (iv) भविष्यामः।

**SA-05**

**December – Examination 2020**

**B.A. (Part III) Examination**

**SANSKRIT**

**नाटक तथा व्याकरण**

**Paper : SA-05**

*Time : 2 Hours ]*

*[ Maximum Marks : 70*

**निर्देश :-** यह प्रश्न-पत्र 'अ' और 'ब' दो खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

**खण्ड—अ**

**7×2=14**

**(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)**

**निर्देश :-** सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम 30 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का है।

1. (i) किस नदी के किनारे महर्षि कण्व का आश्रम था।
- (ii) राजा ने अपने कुल की प्रतिष्ठा किन दो पर अवस्थित बतायी थी ?

- (iii) 'सुखानि ते भर्तृकुलदेवता वितरन्तु' ये पंक्ति किसने किससे कही थी ?
- (iv) महर्षि मारीच ने सर्वदमन के हाथों में किस औषधि को रक्षासूत्र में बाँधा था ?
- (v) 'चेयम्' में प्रकृति व प्रत्यय का उल्लेख कीजिए।
- (vi) 'भिन्नः' में प्रकृति व प्रत्यय का उल्लेख कीजिए।
- (vii) 'ज्ञोऽन्तः' सूत्र अर्थ लिखिये।

**खण्ड—ब**

**4×14=56**

**(लघु उत्तरीय प्रश्न)**

**निर्देश :-** किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम 200 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 14 अंकों का है।

2. श्लोक की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :
- सरसिजमनुविद्धं शैवलेनापि रम्यं,  
मलिनमपि हिमांशो र्लक्ष्य लक्ष्मीं तनोति।  
इयमधिकमनोज्ञा वल्कलेनापि तन्वी,  
किमिव हि मधुराणां मण्डनं नाकृतीनाम्॥

**अथवा**

एष त्वामभिनवकण्ठ शोणितार्थी  
शार्दूलः पशुमिव हन्मि चेष्टमानम्।  
आर्त्तानां भयमपनेतुमात्तधन्वा  
दुष्यन्तस्तव शरणं भवत्विवदानीम्॥

3. श्लोक की संस्कृत व्याख्या कीजिए :
- शान्तमिदमाश्रमपदंस्फुरति च बाहुः कुतः फलमिहास्य  
अथवा भवितव्यानां द्वाराणि भवन्ति सर्वत्र।

**अथवा**

अर्धपीतस्तनं मातुरामर्दक्लिष्टकेसरम्।  
प्रक्रीडितुं सिंहशिशुं बलात्कारेण कर्षति॥

4. किसी एक सूक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए :
- (i) अहो विघ्नवत्यः प्रार्थितार्थसिद्धयः।  
(ii) गुर्वपि विरहदुःखमाशाबन्धः साहयति।
5. अभिज्ञानशाकुन्तलम् नाटक की अलंकार योजना का संस्कृत उद्धरण सहित विश्लेषण कीजिए।
6. शकुन्तला अथवा दुष्यन्त का चरित्र-चित्रण कीजिए।
7. निम्नलिखित में से किन्हीं दो सूत्रों की सोदाहरण सिद्धि कीजिए :
- (i) युवोरनाकौ  
(ii) कालसमयवेलासु तुमुन्  
(iii) शिवादिभ्यो अण्  
(iv) तिङ् शित् सार्वधातुकम्